Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. भारतीय रेल प्रणाली को कितने मंडलों में विभाजित किया गया है?

(अ) 9 (ब) 12

(स) 10 (द) 14

2. 1961 ई० में सड़कों की दशा सुधारने के लिए कौन-सी योजना आरंभ की गई थी??

(अ) बीस वर्षीय सड़क योजना (ब) एकवर्षीय सड़क योजना

(स) तीस वर्षीय सड़क योजना (द) पंचवर्षीय सड़क योजना

3. रेल पटरियों के बीच की दूरी के आधार पर भारतीय रेल प्रमुख वर्ग में शामिल है-

(अ) नैरो गेज (ब) मीटर गेज

(स) उपर्युक्त सभी (द) ब्रॉड गेज

4. निम्न में से किस शासक ने सिंधु घाटी से लेकर बंगाल की सोनार घाटी तक शाही राजमार्ग का निर्माण करवाया था?

(अ) औरंगजेब (ब) अकबर महान

(स) अशोक महान (द) शेरशाह सूरी

5. नगरीय परिवहन को द्रुतगामी बनाने के लिए किस नई रेल व्यवस्था का प्रचालन किया जा रहा है?

(अ) कोंकण रेल (ब) मेट्रो रेल

(स) भारतीय रेल (द) इनमें से कोई नहीं

6. निर्माण एवं रखरखाव के उद्देश्य से निम्न में से कौन-सा सड़कों के वर्गीकरण में शामिल नहीं है?

(अ) राज्य महामार्ग (ब) राष्ट्रीय महामार्ग

(स) ग्रामीण सड़कें (द) सीमांत सड़कें

7. दक्षिण एशिया की पहली क्रॉस-बॉर्डर पाइपलाइन जिसका निर्माण आई०ओ०एल० ने किया था, कहाँ से कहाँ तक विस्तृत थी?

(अ) मोतिहारी-अमालेखगंज (ब) पेट्रोलियम पाइपलाइन

(स) सलाया से मथुरा तक. (द) नुमालीगढ़ से सिलीगुड़ी तक

8. सभी संचार तंत्रों में सर्वाधिक प्रभावी एवं अधुनातन संचार तंत्र कौन-सा है?

(अ) टेलीविजन (ब) रेडियो

(स) उपग्रह संचार (द) इंटरनेट

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. निम्न में से परिवहन का कौन-सा साधन सिमित उपयोग हेतु उपलब्ध है ?

(अ) पाइप लाइन परिवहन (ब) सड़क परिवहन

(स) रेल परिवहन (द) केबिल परिवहन

10. ब्रॉड गेज में रेल पटरियों के बीच की दूरी निम्न में से कितनी होती है?

(अ) 1.000 मीटर (ब) 1.616 मीटर

(स) 0.610 मीटर (द) 0.762 मीटर

रिक्त स्थान

11. भारत में 'गोल्डन क्वाड्रिलेटरल योजना' के अंतर्गत _____ महानगरों को जोड़ा गया है।

12. INSAT प्रणाली का पहला उपग्रह वर्ष _____ में प्रक्षेपित किया गया था।

सत्य/असत्य

13. भारत में सड़कों के माध्यम से लगभग 85% यात्री परिवहन और 70% माल परिवहन होता है।

14. लंकेश्वर घाट पुल गंगा नदी पर बना भारत का सबसे लंबा सड़क पुल है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. सीमा सड़क संगठन का गठन कब तथा क्यों किया गया?

16. जिला सड़कें कौन-सी होती हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. सीमा सड़क संगठन के कार्यों का वर्णन कीजिए।

18. भारत में वायु परिवहन की शुरुआत कब हुई? वर्तमान में इसकी स्थिति का वर्णन कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. निर्माण तथा रखरखाव के आधार पर भारत की सड़कों का वर्गीकरण कीजिए।

20. भारत के प्रमुख एवं गौण अंत: स्थलीय जलमार्गों का वर्णन कीजिए।

HOTS

21. पाइप लाइन परिवहन से लाभ एवं हानि की विवेचना करें।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

1. **(स)** 16

2. **(अ)**
भारत में सड़कों की दशा सुधारने के लिए एक बीस वर्षीय सड़क परिवहन योजना (1961) आरंभ की गई। इस परियोजना में यातायात व संचार को 28% राशि दी गई।।

3. **(स)**
रेल पटरियों के बीच की दूरी के आधार पर भारतीय रेल प्रमुख वर्ग में शामिल है- ब्रॉड गेज, मीटर गेज, नैरो गेज।

4. **(द)**
शेरशाह सूरी ने अपने साम्राज्य को सिंधु घाटी से लेकर बंगाल की सोनार घाटी तक सुदृढ़ एवं संगठित रखने के लिए शाही राजमार्ग का निर्माण करवाया था।

5. **(ब)**
नगरीय परिवहन को द्रुतगामी बनाने के लिए मेट्रो रेल व्यवस्था का प्रचालन किया जा रहा है।

6. **(द)**
सीमांत सड़कों के निम्नलिखित महत्व है- (i) रक्षा की दृष्टि से सीमांत क्षेत्र देश के उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी सीमा के लिए महत्वपूर्ण है। (ii) दुर्गम क्षेत्रों पर पहुँचने के लिए ये सड़के महत्वपूर्ण है। (iii) ये सड़के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण है।

7. **(अ)** मोतिहारी-अमालेखगंज

8. **(द)**
सभी संचार तंत्रों में सर्वाधिक प्रभावी एवं अधुनातन संचार तंत्र इंटरनेट है।

9. **(द)**
केबिल परिवहन का साधन सिमित उपयोग हेतु उपलब्ध है।

10. **(ब)**
चौड़े गेज को ब्रॉड गेज या बड़ी लाइन कहा जाता है, ब्रॉड गेज में रेल पटरियों के बीच की दूरी 1.616 मीटर होती है।

11. चार

12. 1983

13. सत्य

14. असत्य

15. सीमा सड़क संगठन भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क मार्ग के निर्माण एवं व्यवस्थापन का कार्य करता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में पहाड़ी इलाके होने से भूमिस्खलन तथा चट्टानों के गिरते-टूटते रहने से सड़कें टूटती रहती हैं। इनको सुचारु बनाये रखने के लिये संगठन को पूरे वर्ष कार्यरत रहना पड़ता है। यह संगठन 2005 तक 40,450 कि०मी० से अधिक लंबाई की सड़कों का निर्माण कर चुका है, जिसमें चंडीगढ़ को मनाली व लेह (लद्दाख) से जोड़ने वाली औसतन 4270 मीटर ऊँचाई पर स्थित महत्वपूर्ण सड़क भी है।

16. **जिला सड़कें :** जिला मुख्यालय को जिले के अन्य भागों से जोड़ने वाली सड़कों को जिला मार्ग कहते हैं। इन सड़कों का निर्माण और रखरखाव जिला परिषद द्वारा किया जाता है।

17. i. सीमा सड़क संगठन का गठन मई 1960 को देश की उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी सीमा से सटी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सड़कों के तीव्र तथा समन्वित सुधार के द्वारा आर्थिक विकास की गति देने तथा रक्षा तैयारियों को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था। इस अभिकरण ने अति ऊँचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में चंडीगढ़ को मनाली (हिमाचल प्रदेश) तथा लेह (लद्दाख) से जोड़ने वाली सड़क बनाई है। यह सड़क समुद्र तल से लगभग 4270 मीटर की ऊँचाई पर स्थित हैं।

ii. सीमा सड़क संगठन भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क मार्ग के निर्माण एवं व्यवस्थापन का कार्य करता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में पहाड़ी इलाके होने से भूमि स्खलन तथा चट्टानों के गिरते-टूटते रहने से सड़कें टूटती रहती हैं। इनको सुचारु बनाये रखने के लिये संगठन को पूरे वर्ष कार्यरत रहना पड़ता है।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

iii. यह संगठन मार्च 2005 तक 40,450 कि०मी० से अधिक लंबाई की सड़कें तैयार कर चुका है। सामरिक दृष्टि से अति संवेदनशील क्षेत्रों में सड़कें बनाने, उनका रख-रखाव तथा अति ऊँचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ हटाने की जिम्मेदारी यही संगठन संभालता है।

18. भारत में वायु परिवहन का आरंभ 1911 ई० में तब हुआ जब इलाहाबाद से नैनी तक की 10 कि०मी० की दूरी हेतु वायु डाक सेवा का प्रचालन किया गया। 1953 में वायु परिवहन का राष्ट्रीकरण हुआ था। भारत में अंतर्देशीय उड़ानों की सेवा एअर इंडिया, एलायंस एअर और कुछ निजी सेक्टर के एअरलाइन द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। एअर इंडिया अंतर्राष्ट्रीय उड़ान की सेवा भी देती है। पवनहंस हेलिकॉप्टर लिमिटेड ऑयल ऐंड नैचुरल गैस कमिशन को और उत्तरी और पूर्वोत्तर राज्यों के दुर्गम इलाकों के लिये हेलिकॉप्टर सेवा प्रदान करती है। वायु परिवहन से दुर्गम इलाकों; जैसे ऊँचे पहाड़, कठिन रेगिस्तान, घने जंगल और दूर दराज के द्वीपों तक भी आसानी से पहुँचा जा सकता है।

19. परिवहन अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परिवहन के कारण ही कच्चा माल कारखानों तक पहुँच पाता है और उत्पाद ग्राहकों तक पहुँच पाते हैं। किसी भी देश के विकास की दर वहाँ उत्पादित होने वाली वस्तुओं और सेवाओं तथा एक कोने से दूसरे कोने तक उनके आवगमन पर निर्भर करती है।

निर्माण तथा रखरखाव के आधार पर भारत की सड़कों का वर्गीकरण निम्नानुसार किया गया है-

i. **राष्ट्रीय महामार्ग :** भारत के सुदूर हिस्सों को राष्ट्रीय राजमार्ग आपस में जोड़ते हैं। उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम दिशाओं से होकर कई राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं।

ii. **राज्य महामार्ग :** किसी भी राज्य की राजधानी को विभिन्न जिला मुख्यालयों से जोड़ने वाली सड़कों को राज्य राजमार्ग कहते हैं। इन सड़कों का निर्माण और रखरखाव स्टेट पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट द्वारा किया जाता है।

iii. **जिला सड़कें :** जिला मुख्यालय को जिले के अन्य भागों से जोड़ने वाली सड़कों को जिला मार्ग कहते हैं। इन सड़कों का निर्माण और रखरखाव जिला परिषद द्वारा किया जाता है।

iv. **ग्रामीण सड़कें :** ग्रामीण सड़कें इस श्रेणी में आती हैं। प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत इन सड़कों के निर्माण में तेजी आई है। इस योजना के तहत खास प्रावधान किये गये हैं ताकि देश का हर गाँव किसी मुख्य शहर से पक्की सड़कों से जुड़ सके।

20. भारत के प्रमुख एवं गौण अंतःस्थलीय जलमार्गों का वर्णन निम्नलिखित है :-

इस समय भारत के प्रमुख एवं गौण अंतःस्थलीय जलमार्गों की लंबाई लगभग 14,500 कि०मी० हैं। इसके अंतर्गत नदियाँ, नहरें, पश्च जल एवं संकरी खाड़ियाँ सम्मिलित हैं। भारत में जलमार्गों के विकास, अनुरक्षण व नियमन हेतु 1986 ई० में एक अंतःस्थलीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थापना की गई थी। इस प्राधिकरण ने तीन अंतः स्थलीय जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया था जो कि इस प्रकार हैं-

i. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-1, इलाहाबाद-हल्दिया विस्तार (लम्बाई 1620 कि०मी०)

ii. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-2, सदिया-धुबरी विस्तार (लम्बाई 891 कि०मी०)

iii. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-3, कोट्टापुरम-कोलम विस्तार (लम्बाई 168 कि०मी०)।

21. भारत का सड़क जाल विश्व के विशालतम सड़क-जालों में से एक है। इसकी कुल लंबाई 33.1 लाख कि.मी. है। (2005 के अनुसार) जिस पर प्रतिवर्ष लगभग 85% यात्री एवं 70% भार यातायात का परिवहन किया जाता है। छोटी दूरियों की यात्रा के लिए सड़क परिवहन सबसे उपयुक्त व अनुकूल माना जाता है। ये सड़कें देश के प्रमुख नगरों, महानगरों, राज्यों की राजधानियों, जिला मुख्यालयों, कस्बों व ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा सभी औद्योगिक व व्यापारिक केन्द्रों को, रेलवे जवशनों व विमान पत्तनों व समुद्री पत्तनों को आपस में जोड़ने में महत्तवूर्ण भूमिका निभाती हैं। कृषि उत्पादन क्षेत्रों से लेकर लोगों के घरों तक पहुँच रखने वाला यह एकमात्र परिवहन व यातायात का साधन है। निर्माण एवं रखरखाव के उद्देश्य से सड़कों को राष्ट्रीय महामार्गों, राज्य महामार्गों, जिला सड़कों तथा ग्रामीण सडकों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। कई बार इनको कच्ची एवं पक्की सदकों के रूप में भी वर्गीकृत किया जाता है। किसी देश के आर्थिक विकास का मापन वहाँ विकसित परिवहन एवं संचार जाल के आधार पर भी किया जाता है क्योंकि ये औद्योगिकीकरण व व्यापार एवं वाणिज्य के विकास के महत्तवूर्ण सेवा तंत्र उपलब्ध करवाते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES